आर्यभट्ट कॉलेज

ARYABHATTA COLLEGE

दिल्ली विश्वविद्यालय

University of Delhi

विवरणिका 2023-24

PROSPECTUS 2023-24

कुसुमपुर खण्ड
KUSUMPUR BLOCK

PRIDE OF INDIA
OUR ACHIEVERS

NCC OFFICE
NSS OFFICE
NSS COUNCIL

STUDENTS UTILITY CENTRE

विषय सूची

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
(1) प्राचार्य का संदेश	01
(2) कॉलेज के संबंध में	02
(3) दृष्टिकोण और उद्देश्य	03
(4) कॉलेज परिसर में उपलब्ध सुविधाएँ	03
(5) पाठ्यक्रमों की उपलब्धता	04
(6) प्रवेश समिति, सत्र 2023-24	05
(7) हेल्प डेस्क समिति, सत्र 2023-24	07
(8) प्रवेश शिकायत प्रकोष्ठ, सत्र 2023-24	08
(9) यूजी प्रोग्राम/पाठ्यक्रम में पंजीकरण और प्रवेश	09
(10) शुल्क और जुर्माना	09
(11) पूरक पाठयक्रम (ऐडऑन कोर्स), सत्र 2023-24	10
(12) आंतरिक मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय अधिसूचना	11
(13) उपस्थिति के नियम	15
(14) अनुशासन के नियम	16
(15) रैगिंग निषेध और सजा	19
(16) कार्यक्षेत्र पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम/निषेध और निवारण)अधिनियम 2013	21
(17) वित्तीय सहायता और पुरस्कार	22
(18) कॉलेज पुस्तकालय	23
(19) कर्मचारी परिषद समितियां, सत्र 2023-24	26

(20) छात्रों का कोना **28**

- **अकादमिक समितियां**
- **योजनाएं**
- **पाठ्यतेर समितियाँ**
- **छात्र परिषद**
- **एनसीसी और एनएसएस**
- **चिकित्सा सुविधाएँ**
- **क्रीड़ा और खेल**

(21) शिक्षकों की सूची **30**

(22) प्रशासनिक कर्मचारी, लेखा कर्मचारी और पुस्तकालय कर्मचारी **34**

(23) सीट मैट्रिक्स, सत्र 2023-24 **36**

(24) ईसीए कोटा सीट मैट्रिक्स, सत्र 2023-24 **37**

(25) प्रथम वर्ष का शुल्क विवरण, सत्र 2023-24 **38**

प्राचार्य का संदेश

प्रिय छात्रों,

आर्यभट्ट कॉलेज की ओर से मैं आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। नया शैक्षणिक सत्र हम सभी में नई उम्मीदों, सपनों और रोशनी भरे सुनहरे अवसरों का संचार करता है। आप सभी को यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता होगी कि गत वर्ष कॉलेज को NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन और मान्यता परिषद) द्वारा A+ मानक से सम्मानित किया गया है। यह इस बात का ठोस प्रमाण है कि हमारे प्राध्यापक और कर्मचारी पूर्ण समर्पण भाव से छात्रों के समग्र विकास व उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आर्यभट्ट कॉलेज की स्थापना छात्रों को उच्च शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता प्रदान करने की दृष्टि से की गई है। हमारा उद्देश्य "ज्ञान, समझ और गुणवता" के माध्यम से छात्रों के जीवन में जिज्ञासा और प्रयोगशीलता की भावना को बढ़ावा देकर सम्पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति कराना है। छात्रों की बुद्धिमता, सृजनात्मक प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए कॉलेज में सदैव नवाचारी और अन्तर्विषयी शिक्षातंत्र का उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही कई प्रकार की कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ व फील्ड ट्रिप जैसी गतिविधियाँ भी शामिल हैं। विभिन्न समितियां व सेल छात्रों को कई मंचों पर अपनी योग्यता के प्रदर्शन व विकास का अवसर प्रदान करती हैं। अपनी छात्र केंद्रित मूल्य दृष्टि के कारण कॉलेज ने तेजी से प्रगति कर विशिष्ट और अविस्मरणीय पहचान बनायी है।

एक शैक्षिक संस्थान की पहचान उसके शिक्षकों और उनके प्रयत्नों से छात्रों की उन्नति व विकास द्वारा भी मापी जाती है। इसके महत्व को समझते हुए कॉलेज ने अपने सक्षम व योग्य शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों को सशक्त बनाया है। जिससे वे छात्रों को कक्षा के भीतर व बाहर नई दिशा प्रदान कर सकें I कॉलेज छात्रों की शैक्षणिक उत्कृष्टता व व्यक्तित्व विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने हेतु हर संभव प्रयत्न करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुझे विश्वास है कि कॉलेज आपको शैक्षिक और गैर- शैक्षिक गतिविधियों में शामिल होने की प्रेरणा देगा। मैं आशा करता हूँ आप कॉलेज द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का सर्वोत्तम संभावनाओं के साथ उपयोग करते हुए उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे। मैं आप सभी का स्वागत करता हूँ और आपके आगामी सत्र के लिए आपको शुभकामनाएँ देता हूँ।

प्रोफेसर मनोज सिन्हा
प्राचार्य

कॉलेज के संबंध में

अकादमिक सत्र 2014-15 में आर्यभट्ट कॉलेज अपने अस्तित्व में आया। आज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यह ख्याति प्राप्त कॉलेज के रूप में जाना जाता है जिसने हाल ही में NAAC में A+ श्रेणी अर्जित की है। यह एक सह-शैक्षिक संस्थान है जिसे 1973 से दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से संचालित किया जा रहा है।आर्यभट्ट कॉलेज विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित कॉलेज है।

अपने स्वतंत्र अस्तित्व में आने के बाद आर्यभट्ट कॉलेज ने तेजी से चहुँमुखी विकास दर से अपनी एक विशेष पहचान बनाई है। महान भारतीय गणितज्ञ आर्यभट्ट के नाम पर स्थापित यह कॉलेज ज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नित नवीन ख्यातियाँ अर्जित कर अपने नाम की सार्थकता सिद्ध कर रहा है। महान भारतीय गणितज्ञ आर्यभट्ट ने गणित और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में परिवर्तनकारी योगदान दिया है। इस तरह विरासत में मिली 'अपनी महान परंपरा के आलोक का निर्वहण करते हुए आर्यभट्ट ने अपने शैक्षिक आदर्श और शिक्षा शास्त्रीय प्रतिमान के रूप मे "जानना, समझना और जगाना "को मूल उद्देश्य मानते हुए इसे प्रायोगिक धरातल पर उतारने का काम किया है। 8 स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों के साथ शुरू होने वाले इस कॉलेज मे आज 15 स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम चल रहे हैं। कॉलेज में पूर्णकालिक योग्य शिक्षक हैं जो यहां पढ़ रहे करीब 2300 छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं।

गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रसार के लिए प्रतिबद्ध आर्यभट्ट कॉलेज में दक्षिण परिसर के अंतर्गत स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (SOL) और नॉन कॉलेजिएट वूमन एजुकेशन बोर्ड (NCWEB) के शैक्षिक केंद्र स्थापित हैं। इसके अलावा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) का शैक्षिक केंद्र भी यहां सुचारू रूप से चल रहा है। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (AISHE) के लिए वार्षिक डाटा संग्रहण के कार्य में भी आर्यभट्ट कॉलेज अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। छात्रों में अकादमिक ज्ञान वृद्धि के साथ-साथ उनके मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक और संवेदनात्मक विकास हेतु योग्य और शिक्षण कौशल से युक्त शिक्षकों द्वारा वर्षभर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हमारे छात्रों की प्रोफाइल बहुसांस्कृतिक पारिस्थितिकी तंत्र की विविधता और समृद्धि को दर्शाते हैं। महाविद्यालय विभिन्न संस्थाओं और इकाइयों के माध्यम से विभिन्न सह-अध्यायी गतिविधियों में भागीदारी के लिए कई अवसर प्रदान करता है। कॉलेज की संस्थाएं और इकाईयाँ छात्रों में निहित संभावनाओं को सर्वोच्च आकार देने के लिए पूर्ण रूपेण समर्पित हैं।

हमारे छात्र खेल, सामाजिक सेवा, संस्कृति पर्यावरणीय स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं। इस तरह आर्यभट्ट कॉलेज एक ऐसे शैक्षणिक संस्थान के रूप में उभरा है जिसमें छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाते हैं। कॉलेज अपनी गतिविधियों के जरिए छात्रों की क्षमताओं का दोहरा सुधार और मजबूती का हर संभव प्रयास करता है ताकि भविष्य के विविध आयामों और पहलुओं की बेहतर समझ विकसित हो।

दृष्टिकोण

- छात्रों में अंतर्दृष्टि विकसित करना। उन्हें सक्षम और ज्ञानवान बनाकर उनके जीवन में बदलाव लाना।
- समावेशी और सौहार्दपूर्ण समाज निर्माण की मानसिकता तैयार करना।
- बेहतर कल के वास्तुकार बनने के लिए छात्रों को सक्षम बनाना।
- जिम्मेदार नागरिक बनाने में छात्रों की सहायता करना।
- ज्ञान प्रसार और समझ के माध्यम से छात्रों को आध्यात्मिक जागृति की ओर अग्रसर करना।

उद्देश्य

समावेशी और निष्पक्ष शिक्षा के लिए अवसर सुनिश्चित करना -

- छात्रों में सक्षम बौद्धिक विकास, सर्जनात्मक और नेतृत्व कौशल क्षमता विकसित करने के लिए समावेशी और अनुकूल सांस्कृतिक परिवेश का सृजन करना |
- नवाचार शिक्षण पद्धति के द्वारा अंतर्विषयक अध्ययन को प्रोत्साहित करना, जिससे आलोचनात्मक चिंतन, अनुसंधान और औद्योगिक शिक्षा के साथ सहयोगी रवैया अपनाकर विश्व समुदाय के साथ साझेदारी की जा सके।
- आउटरीच प्रोग्राम के जरिए छात्रों को प्रकृति और समाज के प्रति जवाबदेह और संवेदनशील बनाना।

कॉलेज परिसर में उपलब्ध सुविधाएँ

- मनोविज्ञान प्रयोगशाला
- हाईटेक परिसर
- सम्मेलन कक्ष
- छात्र उपयोगी केंद्र
- संकाय शोध केंद्र
- भाषा प्रयोगशाला
- कम्प्यूटर लैब
- शांति क्षेत्र
- सेमिनार कक्ष
- महिला कॉमन रूम
- छात्र गतिविधि केंद्र
- एनसीसी कक्ष
- एनएसएस कक्ष
- पुस्तकालय
- मेडिकल रूम
- अध्ययन कक्ष
- कैंटीन
- खेल और शारीरिक गतिविधि कक्ष
- बहुउद्देशीय हॉल
- एनसीवेब / एसओएल केंद्रीय मूल्यांकन केंद्र

पाठ्यक्रमों की उपलब्धता

ऑनर्स पाठ्यक्रम

- बी.कॉम (ऑनर्स)
- बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र (बीबीई)
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
- प्रबंधन शास्त्र (बीएमएस)
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी
- बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी
- बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति शास्त्र
- बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान
- बी. एस. सी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान
- बी एस. सी. (ऑनर्स) गणित

प्रोग्राम पाठ्यक्रम

- बी.ए. अर्थशास्त्र + गणित
- बी.ए. अंग्रेजी + मनोविज्ञान
- बी.ए. इतिहास + राजनीति शास्त्र
- बी.कॉम

जीई पेपरों की सूची

विभाग	सेमेस्टर 1 के लिए जीई पेपर का नाम
हिन्दी	हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन
बीएमएस	भारत से प्रबंधन ज्ञान
मनोविज्ञान	मनोविज्ञान की नींव
राजनीति विज्ञान	भारतीय राजनीतिक विचार
कंप्यूटर विज्ञान	पायथन प्रोग्रामिंग
गणित	कैलकुलस के मूल सिद्धांत
अंग्रेज़ी	साहित्य और मानव अधिकार (ऑनर्स के लिए)
	साहित्य के माध्यम से अंग्रेजी भाषा- I (प्रोग्राम के लिए)
वाणिज्य-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम)	व्यापार संगठन
इतिहास	युगों-युगों से दिल्ली - इसके प्रारंभिक आधुनिक इतिहास का निर्माण
बीबीई	अर्थशास्त्र के सिद्धांत
अर्थशास्त्र	माइक्रोइकॉनॉमिक्स के सिद्धांत-I

प्रवेश समिति, सत्र 2023-24

डॉ. राजेश कुमार		संयोजक	9810028936	rajeshkumar@aryabhattacollege.ac.in
डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी		सह-संयोजक	9210475904	rajesh@aryabhattacollege.ac.in
क्र.सं.	**पाठ्यक्रम**	**प्रवेश प्रभारी**	**मोबाइल नंबर**	**ईमेल**
1	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) व्यवसाय अर्थशास्त्र	श्री हरीश धवन	9811667776	harish@aryabhattacollege.ac.in
2	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) अर्थशास्त्र	डॉ. आस्था आहूजा	9873284291	asthaahuja@aryabhattacollege.ac.in
3	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) अंग्रेजी	डॉ. रोशनी	9899451005	roshni@aryabhattacollege.ac.in
4	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) हिंदी	डॉ. धीरेंद्र बहादुर सिंह	9582580180	singhdhirendra@aryabhattacollege.ac.in
5	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) इतिहास	डॉ. पवन कुमार	9416110394	pawan@aryabhattacollege.ac.in
6	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) राजनीति शास्त्र	डॉ. राजेंद्र दयाल	9873722550	rajendradayal@aryabhattacollege.ac.in
7	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) मनोविज्ञान	डॉ. हैली सिंह थोकचोम	7011416122	dr.halley@aryabhattacollege.ac.in
8	विज्ञान-स्नातक(विज्ञ पाठ्यक्रम)कंप्यूटर विज्ञान	डॉ. सोनल लिंडा	7838474460	lindasonal@aryabhattacollege.ac.in
9	विज्ञान-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) गणित	प्रो. नरेंद्र कुमार	9891200143	nkbudhraja@aryabhattacollege.ac.in
10	वाणिज्य-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम)	डॉ. मोनिका अग्रवाल	9650780781	monica@aryabhattacollege.ac.in
11	वाणिज्य-स्नातक	डॉ. विनय कुमार	7982007352	dr.vinaydse24@aryabhattacollege.ac.in
12	प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस)	प्रो. जे.के. सिंह	9811326519	jitendra@aryabhattacollege.ac.in
13	एससी/एसटी काउंसलिंग	सुश्री आकांक्षा सिंह	9871181508	aakankshasingh@aryabhattacollege.ac.in
14	ओबीसी काउंसलिंग	डॉ. चंद्रशेखर निषाद	9717828951	csnishad@aryabhattacollege.ac.in
15	ईडब्ल्यूएस काउंसलिंग	डॉ. धीरेंद्र बहादुर सिंह	9582580180	singhdhirendra@aryabhattacollege.ac.in

16	पीडब्ल्यूबीडी काउंसलिंग	डॉ. राजीव कुमार रंजन	9818675342	rajiv@aryabhattacollege.ac.in
17	नॉर्थ ईस्ट काउंसलिंग	डॉ एन. एम. सिंह	9810829480	nmanichandras@aryabhattacollege.ac.in
18	विदेशी छात्र सलाहकार	डॉ. कार्तिकेय कोहली	9871058734	kartikeya@aryabhattacollege.ac.in@aryabhattacollege.ac.in
19	खेल प्रवेश समिति	श्री आनंद सौरभ	9650396105	anandsaurabh@aryabhattacollege.ac.in
20	ईसीए प्रवेश समिति	डॉ आस्था आहूजा	9873284291	asthaahuja@aryabhattacollege.ac.in
21	नोडल अधिकारी (पीएमएसएसएस)	डॉ. मोनिका अग्रवाल	9650780781	monica@aryabhattacollege.ac.in
22	कला-स्नातक (प्रोग्राम)	डॉ.राजेश कुमार द्विवेदी	9210475904	rajesh@aryabhattacollege.ac.in
क	कला-स्नातक (प्रोग्राम) अर्थशास्त्र + गणित	डॉ एन. एम. सिंह	9810829480	nmanichandras@aryabhattacollege.ac.in
ख	कला-स्नातक (प्रोग्राम) मनोविज्ञान + अंग्रेजी	डॉ. सुनील गुप्ता	8800277211	drsunilgupta@aryabhattacollege.ac.in
ग	कला-स्नातक (प्रोग्राम) इतिहास + राजनीति विज्ञान	डॉ. संगीता कुमारी	9312364028	sangeeta@aryabhattacollege.ac.in

हेल्प डेस्क समिति, सत्र 2023-24

क्र.सं.	नाम	मोबाइल नंबर	ईमेल
1	श्री बिनॉय भूषण अग्रवाल (संयोजक)	9990268718	binoybhushan@aryabhattacollege.ac.in
2	श्री हरीश धवन	9811667776	harish@aryabhattacollege.ac.in
3	डॉ. एन. एम. सिंह	9810829480	nmanichandras@aryabhattacollege.ac.in
4	डॉ. प्रोमिला	9891241615	promila@aryabhattacollege.ac.in
5	डॉ. रीना रागी	9650160001	reenaragi@aryabhattacollege.ac.in
6	श्री आनंद सौरभ	9650396105	anandsaurabh@aryabhattacollege.ac.in
7	डॉ. प्रीति जगवानी	9899016178	priti@aryabhattacollege.ac.in
8	डॉ. चंद्रशेखर निषाद	9717828951	csnishad@aryabhattacollege.ac.in
9	डॉ. जे. के. सिंह	9811326519	jitendra@aryabhattacollege.ac.in
10	डॉ. विनय कुमार	7982007352	dr.vinaydse24@aryabhattacollege.ac.in
11	डॉ. वर्षा सिंह	9968974202	varsha@aryabhattacollege.ac.in
12	डॉ. कृष्ण मुरारी	9868329204	murari@aryabhattacollege.ac.in

प्रवेश शिकायत प्रकोष्ठ, सत्र 2023-24

क्र.सं.	नाम और पदनाम	मोबाइल नंबर	ईमेल
1	डॉ. आर.के. द्विवेदी (संयोजक) सह-प्राध्यापक	9210475904	rajesh@aryabhattacollege.ac.in
2	डॉ. नीतू जय सिंघानी सहायक प्राध्यापक	9811228487	neetujaisinghani@aryabhattacollege.ac.in
3	डॉ. राजेंद्र दयाल सह-प्राध्यापक	9873722550	rajendradayal@aryabhattacollege.ac.in
4	डॉ. एन. एम. सिंह सहायक प्राध्यापक	9810829480	nmanichandras@aryabhattacollege.ac.in
5	डॉ. नवीन कुमार जैन सहायक प्राध्यापक	9968113814	naveenjain@aryabhattacollege.ac.in
6	डॉ. बीरेंद्र कुमार सहायक प्राध्यापक	9971746054	birendra@aryabhattacollege.ac.in
7	डॉ. राजीव कुमार रंजन सहायक प्राध्यापक	9818675342	rajiv@aryabhattacollege.ac.in
8	डॉ. धीरेंद्र बहादुर सिंह सहायक प्राध्यापक	9582580180	singhdhirendra@aryabhattacollege.ac.in
9	सुश्री आकांक्षा सिंह सहायक प्राध्यापक	9871181508	aakankshasingh@aryabhattacollege.ac.in
10	सुश्री थांगबियाकचिंग सहायक प्राध्यापक	8826519499	thangbiakching@aryabhattacollege.ac.in
11	सुश्री अंजू अग्रवाल प्रशासनिक अधिकारी	9818762760	anjuaggarwal@aryabhattacollege.ac.in

यूजी प्रोग्राम/पाठ्यक्रम मे पंजीकरण और प्रवेश

सामान्य निर्देश

1. दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए छात्रों को CUET 2023 के https:// cuets.samarth.ac in / पर पंजीकरण कराना होगा। इस संबंध में दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in पर जाएँ।

2. यूजीसीएफ 2022 संरचना और पाठ्यक्रम के लिए - www.ugc.gov.in या www.du.ac.in पर जाएँ।

3. अकादमिक सत्र 2023-24 में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सूचना हेतु लिंक - - https://www.admission.uod.ac.in/?UG-Admissions portal

सामान्य दिशा -निर्देश

- आवदेक अनिवार्य रूप से भारत का नागरिक हो ।
- आवेदक ने भारत के किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड विश्वविद्यालय से बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की हो या भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ (AIU) द्वारा 10+2 प्रणाली के समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी भी विदेशी शिक्षण संस्थान से परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
- विदेशी छात्र श्रेणी के तहत प्रवेश पाने के इच्छुक आवेदकों को, विदेशी छात्र रजिस्ट्री वेबसाइट http://fsr.du.ac.in के माध्यम से अलग से आवेदन करना होगा।

अधिक जानकारी के लिए महत्वपूर्ण लिंक https://www.admission uod ac.in/?UG - Admissions portal पर जाएँ।

शुल्क और जुर्माना

- छात्र के कॉलेज छोड़ने की तारीख से तीन वर्ष के भीतर प्रतिभूतियां वापस कर दी जाती है।
- विदेशी छात्रों से यूएस 18000/- रुपये के बराबर प्रतिवर्ष विशेष शुल्क लिया जाता है।
- कॉलेज के देय शुल्क का भुगतान ऑनलाइन किया जाएगा कैश/ चेक/ पे औौर्डर / ड्राफ्ट आदि स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
- यदि कोई छात्र अधिसूचित देय तिथि के एक महीने के भीतर अपनी देय शुल्क भुगतान करने में विफल रहता है तो उसका नाम कॉलेज के रोल से काट दिया जाएगा। जुर्माना या देर से भुगतान शुल्क कॉलेज द्वारा निर्धारित समय में तय किया जाएगा |
- पुस्तकालय की किताबों पर जुर्माना : सामान्य 2/- रुपये प्रतिदिन
- सभी छात्रों से पूर्व छात्रसंघ की सदस्यता शुल्क 300/- रुपये लिया जाएगा।
- पहचान पत्र खो जाने पर 300/- रुपये जुर्माना लगाया जाएगा।

पूरक पाठयक्रम (ऐडऑन कोर्स), सत्र 2023-24

वित्त पाठ्यक्रम	भाषा पाठ्यक्रम	मानसिक स्वास्थ्य पाठ्यक्रम
अग्रिम वित्तीय मॉडलिंग कार्यक्रम (100 घंटे)	कामकाजी अंग्रेजी – ब्रिटिश काउंसिल (3 महीने)	स्वकल्याण का ध्यान (30 घंटे)
व्यवसाय विश्लेषिकी (100 घंटे)	प्रारंभिक फ्रेंच भाषा पाठ्यक्रम - आलियाँस फ्राँसैज़ (108 घंटे)	
संपत्ति प्रबंधन (100 घंटे) *	स्पेनिश भाषा मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम ए 1.1 स्तर- इंस्टीट्यूटो सर्वेंट्स (60 घंटे)	
	स्पैनिश भाषा सामान्य पाठ्यक्रम- इंस्टीट्यूटो सर्वेंट्स (60 घंटे)	
नोट: छात्रों के चयन के आधार पर उपर्युक्त भावी पाठयक्रम आरम्भ किये जायेंगे ।		

कौशल वृद्धि और एप्लाइड लर्निंग सेल (ऐड-औन कोर्स सेल)

डा० सुरजीत देब
(अर्थशास्त्र विभाग)
9811256265
addon.aryabhatta@gmail.com

आंतरिक मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय अधिसूचना

(अध्यादेश आठ के अतिरिक्त)
[ईसी संकल्प संख्या 60-1/(60-1-13) दिनांक 3/02/2023]

अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क - 2022 पर आधारित पाठ्यक्रमों की मूल्यांकन पद्धति शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 से लागू की जाएगी।

1.यूजीसीएफ 2022 के तहत सक्षम अधिकारियों द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन के उद्देश्य से अपनायी जाने वाली मूल्यांकन पद्धति निम्नानुसार होगी:

क) किसी भी पाठ्यक्रम में जहां 'ट्यूटोरियल' 01 क्रेडिट का हो, एक उद्देश्य मूल्यांकन प्रक्रिया को एक पाठ्यक्रम में एक छात्र द्वारा अर्जित क्रेडिट के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जो अंततः ऐसे छात्र के अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में इसके जमाव का कारण बनेगा। इसलिए, यह जरूरी है कि एक छात्र द्वारा अर्जित प्रत्येक क्रेडिट का पर्याप्त रूप से मूल्यांकन किया जाए और तदनुसार दर्ज किया जाए।

ख) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, ट्यूटोरियल के घटकों को सूचीबद्ध किया गया है ताकि इस उद्देश्य के लिए तैयार किए गए नियमों के अनुसार, शिक्षक के परामर्श से इनमें से कम से कम कुछ गतिविधियों (नीचे बिंदु संख्या 3 पर सूचीबद्ध) को एक छात्र द्वारा चयन किया जा सके। संचालित गतिविधियों का मूल्यांकन निरंतर मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

(i) ट्यूटोरियल के घटक के रूप में की जाने वाली कुछ गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

- साहित्य की समीक्षा
- पुस्तक की समीक्षा
- फिल्म समीक्षा
- परियोजना गतिविधि (समूह)
- अनुसंधान सह प्रस्तुति
- रचनात्मक लेखन / पेपर लेखन
- समूह चर्चा
- समस्या समाधान अभ्यास
- कोई भी रचनात्मक उत्पादन (एक समूह में किया जा सकता है)
- अभिनव परियोजना
- विषय की वैचारिक समझ के अनुप्रयोग से संबंधित कोई अन्य शैक्षिक कार्य ।

(ii) इसके अलावा, ट्यूटोरियल के निरंतर मूल्यांकन के लिए आवंटित चालीस अंकों में से, पांच अंक उपस्थिति के लिए होंगे, जिन्हें निम्नानुसार वितरित किया जाएगा:

क) 67% से अधिक उपस्थिति लेकिन 70% से कम उपस्थिति – 1 अंक
ख) 70% से अधिक उपस्थिति लेकिन 75% से कम उपस्थिति – 2 अंक
ग) 75% से अधिक उपस्थिति लेकिन 80% से कम उपस्थिति – 3 अंक
घ) 80% से अधिक उपस्थिति लेकिन 85% से कम उपस्थिति – 4 अंक
ङ) 85% से अधिक उपस्थिति – 5 अंक

प्रैक्टिकल के लिए निरंतर मूल्यांकन में उपस्थिति के लिए अंक नहीं होंगे।

2. (i) आंतरिक मूल्यांकन (आईए) में कक्षा परीक्षाओं, असाइनमेंट/प्रस्तुतियों और उपस्थिति में प्राप्त अंक शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, 25 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए, कक्षा परीक्षणों में 10 अंक, असाइनमेंट / प्रस्तुतियों में 10 अंक और उपस्थिति 5 अंकों के लिए होगी। इसी तरह, 30 अंकों के आईए के लिए, उपस्थिति के लिए 6 अंक, कक्षा परीक्षा के लिए 12 अंक और असाइनमेंट/प्रस्तुतियाँ के लिए 12 अंक होंगे।

(ii) उपस्थिति के लिए 6 अंक निम्नानुसार वितरित किए जाएंगे:

क) 67% से अधिक उपस्थिति लेकिन 70% से कम उपस्थिति – 1.2 अंक
ख) 70% से अधिक उपस्थिति लेकिन 75% से कम उपस्थिति – 2.4 अंक
ग) 75% से अधिक उपस्थिति लेकिन 80% से कम उपस्थिति – 3.6 अंक
घ) 80% से अधिक उपस्थिति लेकिन 85% से कम उपस्थिति – 4.8 अंक
ङ) 85% से अधिक उपस्थिति – 6.0 अंक

3. (i) आंतरिक मूल्यांकन और सतत् मूल्यांकन को निष्पक्ष और तर्कसंगत बनाने के लिए विश्वविद्यालय के अध्यादेशों के अध्यादेश VIII-E के खंड 5(ii) के अनुसार गठित प्रत्येक कॉलेज में आंतरिक मूल्यांकन के लिए निगरानी समिति को सुदृढ़ करना आवश्यक है। यह समिति कॉलेज में आंतरिक मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार होगी, जिसमें शिकायतों का निवारण, यदि कोई हो, शामिल है। यही समिति निरंतर मूल्यांकन और शिकायतों, यदि कोई हो, के निवारण की प्रक्रिया की भी जांच करेगी।

(ii) एक छात्र जो आंतरिक मूल्यांकन/सतत मूल्यांकन से संबंधित, उसके द्वारा प्रस्तुत शिकायत के संबंध में कॉलेज की आंतरिक मूल्यांकन के लिए निगरानी समिति द्वारा लिए गए निर्णय से असंतुष्ट है, वह कॉलेज के प्रिंसिपल, शिक्षक-प्रभारी से युक्त अपीलीय निकाय के समक्ष अपील दायर कर सकता है। विभाग/वरिष्ठ संकाय सदस्य, संबंधित शिक्षक जिसने पीड़ित छात्र का मूल्यांकन किया है और उसकी अध्यक्षता कॉलेजों के डीन या निदेशक दक्षिण दिल्ली परिसर के नामित व्यक्ति द्वारा की जाएगी, जिसके अधिकार क्षेत्र में संबंधित कॉलेज आता है।

4. सिद्धांत परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन सिद्धांत के साथ-साथ ट्यूटोरियल कक्षाओं में किए गए शिक्षण-अधिगम का संचयी मूल्यांकन होगा।

5. विभिन्न क्रेडिट वितरण के पाठ्यक्रमों के लिए मूल्यांकन पैटर्न तालिका -1 में प्रदान किया गया है।

6. कुल चार क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए व्यावहारिक अंकों में निम्नलिखित शामिल होंगे:

- निरंतर मूल्यांकन (25%),
- अंतिम अवधि की प्रैक्टिकल परीक्षा (50%) और
- मौखिक परीक्षा (25%)

कुल दो क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए व्यावहारिक अंकों में निम्नलिखित शामिल होंगे:

- निरंतर मूल्यांकन (50%),
- अंतिम अवधि की व्यावहारिक / लिखित परीक्षा (25%) और
- मौखिक परीक्षा (25%)

7. एलटीपी संरचना के विभिन्न संयोजनों में कुल अंकों के अंतर को "भारित औसत" की मदद से संरेखित किया जाएगा, जिसकी गणना अंकों को ग्रेड में बदलने के लिए उचित रूप से तैयार किए गए सूत्र के माध्यम से की जाएगी।

8. सतत मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए उपस्थिति की आवश्यकता विश्वविद्यालय के अध्यादेशों के अध्यादेश VII के अनुसार होगी ।

9. छात्रों को अपने ग्रेड में सुधार करने में सक्षम बनाने के लिए, निम्नलिखित को अपनाया जा सकता है:

पाठ्यक्रम/पेपर में प्राप्त ग्रेड	सिद्धांत में प्राप्त ग्रेड	प्रैक्टिकल/ ट्यूटोरियल में प्राप्त	पुनः-पंजीकृत	ग्रेड में सुधार के लिए कार्रवाई का तरीका
F	संतुष्ट नहीं *	संतुष्ट	नहीं	आवश्यक पुनरावृत्ति के लिए उस पाठ्यक्रम/ पेपर की अंतिम अवधि सिद्धांत परीक्षा में
F से अधिक	संतुष्ट नहीं *	संतुष्ट	नहीं	उस पाठ्यक्रम/पेपर की अंतिम अवधि की थ्योरी परीक्षा में उपस्थित होना सुधार
F से अधिक	संतुष्ट नहीं (आईए अंक संतुष्ट)	संतुष्ट	नहीं	उस पाठ्यक्रम/पेपर की अंतिम अवधि की थ्योरी परीक्षा में उपस्थित होना सुधार
F से अधिक	आईए सहित संतुष्ट नहीं	संतुष्ट	हाँ	पाठ्यक्रम में भाग लेने और सुधार के लिए आईए और अंतिम अवधि सिद्धांत परीक्षा के लिए उपस्थित होने के लिए
F से अधिक	संतुष्ट	संतुष्ट नहीं *	हाँ	पाठ्यक्रम में भाग लेने और सुधार के लिए अपने सीए और आईए के साथ सिद्धांत और व्यावहारिक परीक्षाओं दोनों में उपस्थित होना।
F	संतुष्ट	संतुष्ट नहीं *	हाँ	पाठ्यक्रम में भाग लेने और आवश्यक पुनरावृत्ति के लिए उनके सीए और आईए के साथ सिद्धांत और व्यावहारिक परीक्षाओं दोनों में उपस्थित होने के लिए।
F	संतुष्ट नहीं *	संतुष्ट नहीं *	हाँ	पाठ्यक्रम में भाग लें और आवश्यक पुनरावृत्ति के लिए अपने सीए और आईए के साथ सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों परीक्षाओं में उपस्थित

*संतुष्ट न होना थ्योरी/प्रैक्टिकल के लिए निर्धारित उत्तीर्ण अंकों से नीचे ग्रेड को इंगित करता है.

10. 2022-2023 से स्नातक होने वाले छात्रों के लिए अंकों के अंतिम प्रतिशत (%) की गणना ग्रैंड सीजीपीए (संचयी ग्रेड पॉइंट औसत) के रूप में की जाएगी, जिसे 10 के कारक से गुणा किया जाएगा।

तालिका-1

कुल क्रेडिट	L	T	P	अंतिम अवधि की सिद्धांत परीक्षा के अंक	आंतरिक मूल्यांकन (आईए) अंक	सिद्धांत परीक्षा व (आईए) अंक का कुल योग	सिद्धांत परीक्षा की अवधि	ट्यूटोरियल	प्रैक्टिकल अंक					कुल अंक
								निरंतर मूल्यांकन	निरंतर मूल्यांकन	अंतिम अवधि व्यावहारिक / लिखित परीक्षा	मौखिक परीक्षा	कुल		
4	3	1	0	90	30	120	3 घंटे	40	0	0	0	0		160
4	3	0	1	90	30	120	3 घंटे	0	10	20	10	40		160
4	0	0	4	0	0	0	लागू नहीं	0	40	80 #	40	160		160
4	1	0	3	30	10	40	1 घंटा	0	30	60	30	120		160
4	2	0	2	60	20	80	2 घंटे	0	20	40	20	80		160
2	1	0	1	30	10	40	1 घंटा	0	10	20**	10	40		80
2	0	0	2	0	0	0	लागू नहीं	0	20	40**	20	80		80
2	2	0	0	60	20	80	2 घंटे	0	0	0	0	0		80

#किसी भी 4 क्रेडिट कोर्स के लिए कोई अंतिम अवधि की प्रैक्टिकल परीक्षा नहीं है **, जिसमें केवल प्रैक्टिकल घटक है, तो यह अंक प्रैक्टिकल के निरंतर मूल्यांकन में जोड़ा जाएगा और प्रैक्टिकल के लिए सीए का कुल योग 120 होगा।**

**** दो क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के मामले में जिनमें व्यावहारिक घटक हैं, या तो अंतिम अवधि की व्यावहारिक परीक्षा या अंतिम अवधि की लिखित परीक्षा होगी।**

सीए - निरंतर मूल्यांकन
आईए - आंतरिक मूल्यांकन

उपस्थिति के नियम

1. कॉलेज के छात्रों की व्याख्यान / ट्यूटोरियल / प्रीसेप्टोरियल / और प्रैक्टिकल में उपस्थिति का मामला दिल्ली विश्वविद्यालय के कैलेण्डर के नियमानुसार होंगें।अगर कोई छात्र कुल आयोजित व्याख्यान ट्यूटोरियल / प्रीसेप्टोरियल / और प्रैक्टिकल कक्षाओं के दो तिहाई कक्षाओं में शामिल नहीं हुआ है तो उसे विश्वविद्यालय की परीक्षा में शामिल होने के योग्य नहीं माना जाएगा। छात्रों के माता-पिता/अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों की कक्षा में अपेक्षित उपस्थिति सुनिश्चित करें ताकि सत्र के अंत में आयोजित विश्वविद्यालय की परीक्षा में होने वाले व्यवधान से बचा जा सके। प्रथम एवं द्वितीय सत्र के अंत में कॉलेज द्वारा कम उपस्थिति वाले छात्रों की सूची प्रदर्शित की जाएगी। साथ ही ऐसे छात्रों के माता-पिता एवं अभिभावकों को उनके बच्चों की अनुपस्थिति का ब्योरा देते हुए चेतावनी पत्र भेजा जाएगा।

2. बीमारी के लिए दिए गए आवेदन के साथ सक्षम अधिकारी द्वारा जारी मेडिकल–सर्टिफिकेट का होना आवश्यक है, जोकि कक्षा पुनः आरम्भ करने के सात दिनों के भीतर कार्यालय में जमा कराना होगा। स्वास्थ्य के आधार पर उपस्थिति में छूट लेने की स्थिति में इस प्रक्रिया का पालन कड़ाई से किया जाएगा।

3. छात्र अपनी मासिक उपस्थिति कॉलेज वेबसाईट **www.aryabhattacollege.ac.in** पर देख सकते हैं।

अनुशासन के नियम

1. महाविद्यालय में नामांकन लेने वाले हर एक छात्र से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अध्ययन के दौरान कैम्पस के भीतर और बाहर अनुशासन का पालन करेंगे और सभ्य आचारण बनाए रखें। अनुशासनहीनता की स्थिति में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत चेतावनी, जुर्माना और कॉलेज से निलंबन किया जा सकता है । (देखें, दिल्ली विश्वविद्यालय का अधिनियम XV (B) और XV (C)

2. अगर छात्र नागरिक की गरिमा का उल्लंघन करते हुए किसी भी प्रकार के आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए जाते हैं या फिर कॉलेज के कर्मचारी, अध्यापकों के साथ अमर्यादित व्यवहार और भाषा का प्रयोग करते हैं तो प्राचार्य द्वारा उनपर कक्षा में प्रवेश से वर्जित किए जाने और महाविद्यालय निष्कासन के कदम उठाए जाएंगे।

3. महाविद्यालय में छात्रों का प्रवेश उनके परिचय-पत्र के आधार पर होगा। अपने साथ किसी बाहरी व्यक्ति को जो अनुशासन के लिए समस्या पैदा करता है, उसे तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया जाएगा और संबंधित छात्रों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

4. छात्र कक्षा में पूरी तरह अनुशासित रहें और कॉरीडोर में अनावश्यक इधर-उधर न भटकें। कॉलेज का कैम्पस पूर्णतः धूम्रपान वर्जित क्षेत्र है। कक्षा के भीतर और बाहर मोबाइल का प्रयोग पूर्णतः वर्जित है। ऐसा करने पर मोबाइल जब्त करने के साथ-साथ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

5. महाविद्यालय हम सबकी सम्पत्ति है इसे स्वच्छ और साफ रखना छात्रों का भी दायित्व है। छात्र महा-विद्यालय की सम्पत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाएं। दीवारों को गंदा ना करें। फर्नीचर और अन्य सामान को नुकसान ना पहुचाएं। लॉन एवं पेड़-पौधों को नुकसान ना पहुचाएं। ऐसा करने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कारवाही की जाएगी।

6. प्राचार्य की अनुमति के बिना छात्र किसी प्रकार की समिति का गठन नहीं कर सकते। प्राचार्य की अनुमति के बिना किसी बाहरी व्यक्ति को वक्ता के रूप में नहीं बुलाया जा सकता।

7. छात्रों के लिए कॉलेज के पार्किंग जोन सहित कहीं भी कार पार्किंग वर्जित है। छात्र सिर्फ अपने स्कूटर और बाइक की पार्किंग कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के बीच अनुशासन की देखभाल

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्यवाही संबंधी सभी शक्तियाँ कुलपति के पास हैं।

2. कुलपति विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन कायम रखने के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त कर सकते हैं या प्रोक्टर या अन्य अधिकारी को संदर्भित शक्ति प्रदान कर सकते हैं।

3. अधिनियम के तहत अनुशासन लागू करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है।

   निम्नलिखित गतिविधियाँ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आधीन मानी जाएगी:

   (क) दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी शैक्षिक या गैर-शैक्षिक व्यक्ति या विभाग के कर्मचारी या किसी छात्र के ऊपर शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग करने की धमकी देना ।
   (ख) किसी हथियार को साथ में रखना या प्रयोग करना या उसे दिखाकर धमकी देना ।
   (ग) अनूसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों के मान, सम्मान और प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना ।
   (घ) किसी महिला के लिए मौखिक या शारीरिक रूप से अपमानजनक व्यवहार या शब्दों का प्रयोग करना, चाहे वह मजाक ही क्यों ना हो।
   (ड़) किसी भी प्रकार से घूस देना या भ्रष्टाचार में लिप्त होना ।
   (च) कालेज, विभाग या संस्था की संपति को जान बूझकर नुकसान पहुंचाना।
   (छ) किसी भी प्रकार के दुर्भावना से ग्रसित होना। या धार्मिक और साम्प्रदायिक आधार पर असहिष्णुता उत्पन्न करना।
   (ज) किसी भी कारण से अकादमिक कामकाज में व्यवधान उत्पन्न करना।
   (झ) विश्वविद्यालय के अधिनियम **XV-C** के अनुसार रैगिंग पूर्णतः निषिद्ध और दंडनीय है।

4. कुलपति विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन बनाए रखने के लिए बिना पक्षपात के किसी भी छात्र और छात्राओं के प्रति उचित कार्रवाई का आदेश दे सकते है। इस सन्दर्भ में निम्न कार्रवाई की जा सकती है:

   (क) संबंधित छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय से सदा के लिए निष्कासित किया जा सकता है। या
   (ख) संबंधित छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय से एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जा सकता है। या
   (ग) एक निश्चित अवधि के लिए कालेज, विभाग या विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों में नामांकन लेने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। या
   (घ) आर्थिक दंड भरने का निर्देश दिया जा सकता है। या
   (ङ) विश्वविद्यालय की परीक्षा में शामिल होने से एक या उससे अधिक सत्रों के लिए वंचित किया सकता है। या

(च) ऐसे छात्र/छात्रा अगर किसी परीक्षा में शामिल हो चुके हैं तो उन परीक्षा/परीक्षाओं को निरस्त किया जा सकता है।

5. कालेज के प्राचार्य, संस्था के प्रमुख, विश्वविद्यालय के शैक्षिक विभागों के प्रमुख, पुस्तकालय अध्यक्ष आदि के पास अनुशासनात्मक कार्रवाई के अधिकार और शक्ति होंगे। वे कॉलेज, विभाग और अकादमिक परिसर में अनुशासनिक माहौल सुनिश्चित करेंगे तथा उसे बनाए रखने के लिए प्राधिकारी, प्रतिनिधि या समिति नियुक्त करेंगें।

6. कुलपति और प्रॉक्टर बिना किसी पक्षपात या दुर्भावना के उपरोक्त अनुशासन संबंधी नियमो को अनुप्रयोग में लाएंगे, इसके लिए उचित ढाँचे का निर्माण, प्रबंधन और नेतृत्व करेगें।

7. ये नियम पूरक हो सकते हैं, जहां आवश्यक हो कॉलेज के प्राचार्य, संकाय के डीन, शैक्षिक विभागों के प्रमुख इसे अनुप्रयोग मे ला सकते है। प्रत्येक छात्र से यह अपेक्षा की जाती है कि इस नियम की एक प्रति वे अपने पास रखेंगे।

8. नामांकन के समय सभी छात्रों/छात्राओं को इस आशय का घोषणा–पत्र स्वयं हस्ताक्षरित कर देना होगा की अनुशासनहीनता की स्थिति में मेरे/स्वयं के ऊपर विश्वविद्यालय के अधिनियम के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

9. मोबाइल फोन का उपयोग कक्षा / पुस्तकालय / गलियारों / प्रयोगशालाओं में पूरी तरह से निषिद्ध है। किसी भी छात्र द्वारा इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्यवाई और जुर्माना लगाया जाएगा।

रैगिंग निषेध और सजा

रैगिंग के खतरे को कम करने के लिए, सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए सजा तय की है। यदि किसी भी प्रयोगशाला में या संस्थान के किसी भी हिस्से में या दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से में या सार्वजनिक परिवहन में नए छात्रों को पुराने छात्रों या किसी अन्य छात्र द्वारा शारीरिक या मानसिक रूप से परेशान किया जाता है, तो ऐसे छात्रों के खिलाफ पुलिस (FIR पंजीकरण के माध्यम से) मुकदमा दर्ज किया जाएगा, कॉलेज से निष्कासित किया जाएगा और उन्हें भविष्य के प्रवेश पर निषेध लगाया जाएगा।

1. किसी भी रूप में रैगिंग को कॉलेज/विभाग या संस्थान के सीमाओं के अंदर और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से में और सार्वजनिक परिवहन में सख्ती से प्रतिबंधित है।

2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या समूहिक बरताव अत्यधिक अनुशासन की उल्लंघना मानी जाती है और इस विधानानुसार इसके तहत निपटाया जाएगा।

3. इस विधानानुसार, रेगिंग साधारणतः ऐसा कोई भी कार्य, आचरण या प्रथा है जिसमें पुराने छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थान को नए छात्रों पर या जिन्हें किसी भी तरीके से जूनियर या निम्नतर माना जाता है, का उपयोग करके किया जाता है और इसमें व्यक्तिगत या समूहिक बरताव को शामिल किया जाता है ।

जिनमें शारीरिक हमला या धमकी या शारीरिक बल का उपयोग किया जाता है -

- महिला छात्रों की स्थिति मर्यादा और सम्मान का उल्लंघन करता है ।
- अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, मर्यादा और सम्मान का उल्लंघन करता है
- छात्रों को हंसी और अपमान के अधीन करता है और उनकी स्वाभिमान को प्रभावित करता है
- मौखिक गाली गलौज और आक्रमण, अशिष्ट हस्तक्षेप और अश्लील आचरण शामिल होते हैं।

4. कॉलेज के प्रधानाध्यापक विभाग के हेड या संस्थान कॉलेज या विश्वविद्यालय के होस्टल के प्राधिकारी या आवास के प्राधिकारी को रैगिंग के होने की किसी भी सूचना पर तत्परता से कार्रवाई करनी चाहिए।

5. ऊपर दिए गए Clause (4) के तहत प्रोक्टर भी किसी घटना या रैगिंग की जांच कर सकता है और उन लोगों की पहचान और घटना के प्रकार की जानकारी के बारे में उप चंचलक को रिपोर्ट भेज सकता है।

6. प्रोक्टर रैगिंग के करवाने वालों की पहचान और रैगिंग की घटना के प्रकार को स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट दे सकते हैं।

7. यदि कॉलेज के प्रधानाध्यापक या विभाग के हेड या संस्थान या प्रोक्टर संतुष्ट होते हैं कि किसी कारण से लिखित रूप में दर्ज किया जाने वाले कारण के लिए, ऐसी जांच करना योग्य रूप से संभव नहीं है, तो उन्हें अनुसूचित कर्मचारी को इस बारे में अधिसूचित कर सकते हैं।

8. जब वाइस चांसलर संतुष्ट होते हैं कि ऐसी जांच करना उचित नहीं है तो उनका निर्णय अतिम होगा।

9. धारा (5) या (6) के तहत रिपोर्ट प्राप्त होने पर या धारा(7 के तहत प्राधिकारी द्वारा निर्णय किए जाने पर कि धारा 3 (अ) और (ब) में वर्णित रैगिंग की घटनाएं हुई हैं, वाइस- चासलर छात्र को विशिष्ट संख्या के वर्षों के लिए रस्किकेट करने के निर्देश देगा या देगी।

10. वाइस चांसलर रैगिंग के अन्य मामलों में आदेश दे सकते हैं या निर्देश दे सकते हैं कि किसी छात्र को निष्कासित किया जाए या निर्दिष्ट अवधि तक किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश न किया जाए, कॉलेज/विभागीय परीक्षा में एक या अधिक वर्षों के लिए या संबंधित परीक्षा या परीक्षाओं में जिनमें वे प्रस्तुत हुए हों, परिणाम रद्द किया जाए।

11, वहाँ संदिग्ध छात्र जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त किए हैं और जो इस विधानानुसार दोषी पाए जाते हैं विश्वविद्यालय द्वारा दी गई डिग्री या डिप्लोमा वापस लेने के लिए सत्यापन किया जाएगा।

12. इस विधानानुसार रैगिंग की प्रोत्साहना भी रैगिंग के समान होगी।

13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के सभी संस्थानों को इस विधानानुसार जारी की गई निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा, और वाइस चासलर को प्रभावी विधानानुसार कार्यान्वयन करने के लिए सहायता और सहायता देने का दायित्व होगा।

ध्यान दें विधान XV-C के प्राप्ति के लिए वाइस चांसलर का आदेश:

जहा इस विधानानुसार किसी अधिकारी द्वारा वाइस चासलर को रैगिंग की घटना (ओं) की सूचना दी जाती है, वहाँ रैगिंग में संलग्न छात्र छात्राएं) को निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित किया जाएगा, जो आदेश में निर्दिष्ट होगी। रैगिंग की रिपोर्ट में सलग्न गैर-छात्रों पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी उन्हें पांच वर्षों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में पंजीकरण की मांग के योग्य नहीं माना जाएगा। इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई के खिलाफ छात्रों को पदनिर्धारणीय सुनवाई दी जाएगी, प्राकृतिक न्याय के नियमों का कड़ी से पालन करके ।

रैगिंग निषेध समिति, शैक्षणिक सत्र 2023-24

क्र.सं.	नाम और पदनाम	मोबाइल नंबर	मेल पता
1	डॉ रीना रागी (संयोजक)	9650160001	reenaragi@aryabhattacollege.ac.in
2	डॉ. धरम कुमार	9891039509	dharamkumar@aryabhattacollege.ac.in
3	डॉ गुरशरण रस्तोगी	9312314203	gursharan@aryabhattacollege.ac.in
4	डॉ सोनल लिंडा	7838474460	lindasonal@aryabhattacollege.ac.in
5	सुश्री आकांक्षा सिंह	9871181508	aakankshasingh@aryabhattacollege.ac.in
6	डॉ. आंचल गुप्ता	9999024255	aanchal@aryabhattacollege.ac.in
7	सुश्री नेहा कुमारी	9868974056	neha@aryabhattacollege.ac.in
8	डॉ. शिप्रा अग्रवाल	9760385505	shipraagrawal@aryabhattacollege.ac.in

कार्यक्षेत्र पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न

(रोकथाम/निषेध और निवारण)अधिनियम 2013, कानून और न्याय मंत्रालय)

अध्यादेश 16.6

यह अधिनियम कार्य – क्षेत्र पर होने वाले यौन उत्पीड़न से महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ इसके रोकथाम तथा इससे संबंधित शिकायत के निवारण की सुविधा प्रदान करता है जिसमें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के अंतर्गत महिलाओं के मौलिक अधिकारों का हनन करते हुए यौन शोषण किया जाय या संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वाभिमान के साथ जीने के अधिकार का हनन करके यौन उत्पीड़न किया जाय या व्यवसाय, कार्य और व्यापार के अधिकार का हनन करके यौन शोषण किया जाय जिसमें यौन उत्पीड़न से सुरक्षित परिवेश का अधिकार भी शामिल है।

और जिसमें यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा और सम्मान के साथ कार्य करने का अधिकार, जो की अंतराष्ट्रीय सम्मेलनों द्वारा सार्वभौमिक रूप से मानवाधिकारों के रूप में पहचाना गया है.
(जैसे महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभावों की समाप्ति पर सम्मेलन) जिसे भारत सरकार ने 25 जून 1993 को इसके मानकों को स्वीकार किया।

और उपर्युक्त, सम्मेलन जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के प्रति सुरक्षा को उपलब्ध करने के लिए प्रावधानों को बनाना जरुरी है।

http://indiacode.nic.in/act_in_pdf/142013.pdf

वित्तीय सहायता और पुरस्कार

अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रति वर्ष अक्टूबर माह में पचास अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए एक प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन करता है। इसमें ऑनर्स डिग्री के पाठ्यक्रम को अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए 250/- प्रतिमाह, तीन साल तक दिए जाते हैं।

"यह प्रतियोगिता उन छात्रों के लिए है जिन्होंने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा पास की है। प्रतियोगिता के लिए आवेदन पत्र शाखा vii (1) कमरा नंबर 61, मुख्य विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 के बीच, प्रत्येक वर्ष - अगस्त के बाद उपलब्ध होगा। पात्र उम्मीदवार से आवेदन पत्र परीक्षा शुल्क 50/- रूपए के साथ स्वीकार किया जाएगा।

शुल्क रियायत एवं छात्रवृत्ति समिति

कॉलेज में एक शुल्क रियायत और छात्रवृत्ति समिति है जिसका उद्देश्य जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। समिति ने वर्ष 2015-16 से कुछ नई छात्रवृत्तियाँ भी शुरू की है-

विवेकानंद मेधावी छात्र योजना - आकदमिक क्षेत्र में विशेष उपलब्धि रखने वाले छात्रों के लिए।

मेजर ध्यानचंद योजना - खेलों के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां रखने वाले छात्रों के लिए।

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर योजना - आरक्षित श्रेणी के वे छात्र जिन्हें छात्रवृत्ति के रूप में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है।

लाइब्रेरी मित्र - यह पुरस्कार उस छात्र को दिया जाता है जो पुस्तकालय को एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में पूर्ण उपयोग करता है।

शांति विद्या फाउंडेशन- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की लड़कियों के लिए चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। इस पुरस्कार को 'तेजस्विनी' कहा जाता है।

अंग्रेजी विभाग की प्रो. बी. मंगलम ने अंग्रेजी ऑनर्स के छात्रों के लिए तीन स्मारक पुरस्कार स्थापित किए हैं। जिसमें प्रत्येक को रू 2500/- नकद पुरस्कार दिया जाता है

- **आर. आर. शर्मा स्मारक पुरस्कार -** अंग्रेजी विभाग में प्रथम वर्ष के टॉपर के लिए।
- **के. आर. बी. स्मारक पुरस्कार -** अंग्रेजी विभाग में द्वितीय वर्ष एक के टॉपर के लिए।
- **सीतालक्ष्मी स्मारक पुरस्कार -** अंग्रेजी विभाग में तीनों वर्षों में ओवर सॉल टॉपर के लिए।

डॉ रवि भूषण प्रसाद स्मारक पुरस्कार - मनोविज्ञान विभाग में तीनों वर्षों में ओवर सॉल टॉपर के लिए।

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़े वर्ग के छात्र और राजनीतिक पीड़ितों के बच्चे निर्धारित आवेदन पत्र पर छात्रवृति के लिए आवेदन कर सकते हैं।
इन छात्रवृत्तियों से लिए फॉर्म शिक्षा निदेशालय, दिल्ली से लिए जा सकते हैं। छात्रवृत्ति के भुगतान के संबंध में जानकारी कॉलेज नोटिस बोर्ड पर एक नोटिस के माध्यम से दी जाएगी।

कॉलेज पुस्तकालय

आर्यभट्ट कॉलेज पुस्तकालय की स्थापना 1973 में राम लाम आनंद कॉलेज (सांध्य) के उपयोगकर्ताओं की शैक्षणिक और सूचना आवश्यकताओ को पूरा करने के लिए की गई, जिसे 2015 में आर्यभट्ट कॉलेज का नाम दिया गया। कॉलेज पुस्तकालय तारेगना ब्लॉक के निकट दो मंजिला परिसर में स्थित है।पुस्तकालय शैक्षणिक और अनुसंधान की आवश्यकताओं को पूरा करता है। जिसमें उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं को केंद्र में रखा गया है।

पुस्तकालय को INFLIBNET द्वारा विकसित एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली "SOUL (विश्वविद्यालय पुस्तकालय के लिए सॉफ्टवेयर) का उपयोग करके व्यवस्थित किया गया है। पुस्तकालय ने वर्ष 2004 में यह साफ्टवेयर अधिग्रहण और स्थापित किया। वर्ष 2006 तक सभी पुस्तको और लाइब्रेरी के डेटाबेस का निर्माण कर स्वचालित संचालन सेवाएं देने में सक्षम हुई। वर्तमान में पुस्तकालग SOUL 3.0 संस्करण का उपयोग कर रहा है, इसमें एक कुशल OPAC (ओपन एक्सेस सार्वजनिक सूची) मॉड्यूल शामिल हैं जो उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय में पुस्तकों उपलब्धता की स्थिति की जांच करने की अनुमति देता है। पुस्तकालय में 60 छात्रों के बैठने की क्षमता वाला एक वाचनालय है और वाणिज्य, हिंदी, अंग्रेजी, मनोविज्ञान, प्रबंधन विज्ञान, राजनीति विज्ञान, इतिहास और कंप्यूटर विज्ञान पर 59000 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। इसके पास हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय २० पत्रिकाओं / आवधिक पत्रिकाओं और 9 समाचारपत्रो (मुद्रित रूप) की सदस्यता है। पुस्तकालय एनएलआईएसटी सुविधा के अलावा, उपयोगकर्ता कॉलेज नेटवर्क और रिमोट लॉगिन सुविधा के माध्यम से डीयूएलएस (दिल्ली विश्वविद्यालय लाइब्रेरी सिस्टम) के माध्यम से सुलभ ई- संसाधनों का उपयोग कर सकते है। पुस्तकालय सभी आधिकारिक कार्य दिवसों पर प्रात: 8.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक खुला रहेगा। रविवार तथा राजपत्रित छुट्टी पर पुस्तकालय बंद रहेगा।

सदस्यता

पुस्तकालय की सदस्यता सभी प्रामाणिक छात्रों को मात्र एक वर्ष के लिए दी जायेगी। आई कार्ड (कॉलेज पहचान पत्र) एक स्मार्ट कार्ड है जो की पुस्तकालय कार्ड के रूप में भी मान्य होगा। छात्रों पर शैक्षिक सत्र की समाप्ति से पहले इसे प्रशासनिक कार्यालय को सौंपने की अनिवार्यता होगी। छात्रों को अपनी परीक्षा प्रवेश पत्र प्राप्त करने के लिए पुरस्कालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा, जिसके उपरान्त पुस्कालय कार्ड की वैधता मान्य नहीं होगी/रहेगी। पहले वर्ष से दूसरे तथा दूसरे वर्ष से तीसरे वर्ष में पदोन्नति हो रहे छात्रों को हर नए शैक्षिक सत्र में नए सिरे से सदस्यता ग्रहण करनी होगी।

पंजीकरण

पंजीकरण प्रक्रिया से सम्बन्धित अनिवार्य दस्तावेज निम्नलिखित है-

- पासपोर्ट आकार फोटो
- कॉलेज शुल्क रसीद, जो कि आपके नामांकन के तुरंत बाद आपके आई-कार्ड के रूप में इस्तेमाल की जाएगी जब तक कि नया कार्ड जारी न हो जाए।

पुस्तकालय सदस्यता के लाभ

हर सदस्य को पुस्तकें तथा अन्य उपलब्ध दस्तावेज पुस्तकालय से निश्चित काल तथा संख्या में व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए जारी कराने का प्रावधान है।

	पाठ्क्रम	किताबों की संख्या	अवधि
1.	बी.ए.प्रोग्राम	4	14 दिन
2.	बी.कॉम.प्रोग्राम	4	14 दिन
3.	सभी ऑनर्स	4	14 दिन

पुस्तकालय सदस्यता कार्ड की गुमशुदगी

पुस्तकालय सदस्यता कार्ड की गुमशुदगी परिसंचरण काउंटर या लाइब्रेरियन को सूचित की जानी चाहिए और थाने में एफआरआई दाखिल करनी होगी। उपर्युक्त कार्यवाही के उपरांत ही नए कार्ड को जारी किया जाएगा। कार्ड खो जाने के बाद अगर किसी प्रकार से उसका अनाधिकारिक इस्तेमाल दर्ज किया जाता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सदस्य की होगी।

किताब की गुमशुदगी

जारी किए गए किताब के गुम हो जाने पर पुस्कालय अध्यक्ष को लिखित रूप में सूचित करना होगा। किताब किसी संग्रह या खंड का एक भाग है तो सदस्य को पूरे संग्रह को (पुस्कालय को) 15 दिन के भीतर लौटाना होगा। अगर लापता किताब का प्रकाशन बंद हो चुका हो तो ऐसी स्थिति में सदस्य को प्रकाशनकर्ता से इसका प्रमाण लिखित में लेकर पुस्तकालय को देना होगा।

अतिदेय शुल्क

यदि पुस्तकें नियत तिथि तक जमा नहीं की जाती है तो रु 2/- प्रतिदिन का अतिदेय शुल्क 'कॉन्साइस बॉक्स' विधि के माध्यम से एकत्र किया जाता है और इसके लिए कोई रसीद जारी नहीं की जाती है। अतिदेय शुल्क से पहले, यदि पुस्तकें नियत तिथि से 30 दिनों के भीतर जमा नहीं की जाती है तो सदस्यता कार्ड एक सप्ताह के लिए रोका जा सकता है।

अनुस्मारक

यदि कोई सदस्य तीन अनुस्मारक के बाद पुस्तक / पुस्तकें वापस नहीं करता है तो इस स्थिति में प्रिंसिपल को अवगत करा दिया जाएगा।

अदेय प्रमाण पत्र

यूनिवर्सिटी परीक्षा के प्रवेश टिकट जारी करने के लिए लाइब्रेरियन द्वारा लाइब्रेरी से प्राप्त निर्धारित फॉर्म पर सदस्यों के लिए अदेय प्रमाणपत्र हस्ताक्षरित किया जाएगा।

पुस्तकालय नियमों का उल्लंघन

कॉलेज का पुस्तकालय व्यक्तिगत अध्ययन का स्थान है। पुस्तकालय में गरिमापूर्ण शांत वातावरण का होना आवश्यक है। इसलिए बातें करना और धूम्रपान करना पूर्णतः निषेध है। इस तरह का अवांछनीय व्यवहार करने वाले छात्र को पुस्तकालय अध्यक्ष द्वारा पुस्तकालय में प्रवेश वर्जित किया जा सकता है।

जारी किए गए किताबों / दस्तावेजों का रख-रखाव

चूँकि पुस्तकालय में रखी किताबें महंगी तथा अक्सर दुर्लभ होती है इसलिए इनका इस्तेमाल ध्यानपूर्वक करना चाहिए। किताबों पर लिखना, फाड़ना, पन्ने मोड़ना तथा किसी प्रकार का निशाना लगाना निषेध है। प्रसार काउंटर से किताब जारी करने से पहले सदस्य से अपेक्षा की जायेगी की किताब को ठीक ढंग से परख ले। अगर किताब की स्थिति खराब पाई जाती है तो उसकी सूचना पुस्कालय कर्मचारी को तुरंत दी जानी चाहिए। ऐसा न कर पाने की स्थिति में किताब की किसी भी हानि के लिए सदस्य को जिम्मेदार माना जाएगा। किसी भी प्रकार की क्षति के लिए दंड करने का अधिकार पूर्णतः पुस्तकालय का होगा।

पते में बदलाव

किसी भी प्रकार के निवास के पते में बदलाव होने पर सदस्य को लिखित रूप में पुस्तकालय अध्यक्ष को तथा प्रशासनिक अधिकारी (ए.ओ.) को इसकी सूचना देनी होगी।

कर्मचारी परिषद समितियां, सत्र 2023-24

1. दाखिला समिति

- ऑनर्स कोर्स दाखिला समिति
- बी. ए. प्रोग्राम और बी कॉम दाखिला समन्वय समिति
- दाखिला संबंधी शिकायत समिति
- खेल दाखिला समिति
- वार्ड कोटा प्रवेश समिति
- दस्तावेज सत्यापन समिति (आरक्षित सीटों का)
- पाठ्येतर दाखिला समिति

2. रैगिंग निषेध समिति
3. अनुशासन समिति
4. कार्यभार समिति
5. समय सारणी समिति
6. मीडिया समन्वय समिति
7. शैक्षिक योजना समिति (पूर्ववर्ती शिक्षक प्रभारी)
8. एनसीसी
9. एनएसएस
10. खेल समिति
11. जीई समन्वय समिति
12. मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम समन्वय समिति
13. कौशल वर्धन पाठयक्रम समन्वय समिति
14. क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम समन्वय समिति
15. बहुआयामी समन्वय समिति
16. समारोह समिति
17. ऐंड ऑन पाठ्यक्रम समिति
18. पीएफ कमेटी में शिक्षक प्रतिनिधि
19. विवरण पुस्तिका और पत्रिका समिति
20. अनुसंधान और प्रकाशन समिति
21. कैंटीन समिति
22. अधिसंरचना समिति

23. क्रय-समिति

24. वेबसाइट समिति

25. पूर्व छात्र संबंध समिति

26. छात्र सलाहकार समिति

27. विदेशी छात्र सलाहकार समित

28. पर्यावरण और सौंदर्यशास्त्र समिति

29. प्लेसमेंट सेल

30. प्रकृति और रोमांच समिति

31. गांधी स्टडी सर्कल

32. शुल्क रियायत समिति

33. गतिविधि प्रकोष्ठ

- वित एवम् निवेश प्रकोष्ठ
- उद्यमित प्रकोष्ठ
- इनेक्टस
- स्टार्ट-अप क्लब

34. पुस्तकालय समिति

35. लिंग संवेदीकरण समिति

36. संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व समिति

37. राष्ट्रीय शिक्षा नीति कार्यान्वय समिति

38. कला और संस्कृति समिति

- वाद-विवाद की मंडली
- रंगमंच समूह
- संगीत समिति
- द हेरिटेज एंड स्पिक मैक सोसाइटी
- फोटोग्राफी क्लब
- नृत्य सोसायटी
- उत्तर पूर्व छात्र प्रकोष्ठ

छात्रों का कोना

कॉलेज में छात्रों से संबंधित कई समितियाँ है। इनका उद्देश्य छात्रों को आत्मभिव्यक्ति और प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करना है। यह छात्रों के चहुँमुखी विकास में भी सहायक है। छात्रों की रचनात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु कॉलेज में सेमिनार, वाद-विवाद प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। छात्रों द्वारा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का संचालन, स्टाफ सलाहकार के मार्गदर्शन में किया जाता है।

अकादमिक समितियां

- इंग्लिश लिटरेरी एसोसिएशन
- कॉमर्स समिति (वाणिज्य)
- हिंदी समिति (हिंदी साहित्य परिषद्)
- व्यावसायिक अर्थशास्त्र समिति
- इतिहास समिति (तथागत)
- गणिशास्त्र समिति (सिग्मा)
- राजनीति विज्ञान समिति (परिसा)
- कम्प्यूटर विज्ञान समिति (टेक पायनियर)
- अर्थशास्त्र समिति (माइंड ओवर मैटर)
- मनोविज्ञान समिति (सृजन)
- बी. ए प्रोग्राम समिति (अरहत)
- बीएमएस समिति (संकल्प)

योजनाएं

- राष्ट्रीय कैडेट कोर
- राष्ट्रीय सेवा योजना

पाठ्येतर समितियां

- वाद-विवाद समिति
- रंगमंच समिति
- गांधी स्टडी सर्कल
- संगीत समिति
- एंटरप्रेन्योरशिप सेल
- इनेक्टस
- प्रकृति और रोमांच समिति
- फोटोग्राफी क्लब (पिकविक)
- एपिक्योर: : पाक कला सेल
- भारतीय विरासत और स्पिक मैके
- वित और निवेश सेल
- मार्केटिंग सेल
- निबस और ब्रश
- नृत्य समिति
- उत्तर पूर्व छात्र समिति
- स्टार्ट-अप क्लब
- प्लेसमेंट सेल

छात्र परिषद

कॉलेज की छात्र परिषद दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ से संबद्ध होगी।

एनसीसी और एनएसएस

कॉलेज की ओर से छात्रों को एनसीसी और एनएसएस कार्यक्रम भी उपलब्ध करवाये जाते हैं।

चिकित्सीय सुविधाएं

यदि कॉलेज समय में किसी छात्र को तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता पड़ती है तो कॉलेज आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं से लैस है।

क्रीड़ा और खेल

कॉलेज के पास कई आउटडोर और इनडोर खेलों की सुविधा है। यह खेल गतिविधियाँ शारीरिक शिक्षा निदेशक की देखरेख में करवायी जाती है।

- तायक्वोंडो
- कसरत
- व्यायाम
- क्रिकेट
- टेबल टेनिस
- वालीबाल
- खो-खो
- मुक्केबाज़ी
- फुटबॉल
- कबड्डी
- शतरंज
- बैडमिंटन

शिक्षकों की सूची

क्र.सं	नाम	पद	विभाग
1	प्रो.मनोज सिन्हा	प्रोफेसर-प्राचार्य	राजनीति शास्त्र
2	प्रो.जे.के. सिंह	प्रोफ़ेसर	वाणिज्य
3	डॉ. मोनिका अग्रवाल	सह-प्राध्यापक	वाणिज्य
4	डॉ. विनय कुमार	सह-प्राध्यापक	वाणिज्य
5	डॉ. आंचल गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	वाणिज्य
6	डॉ. रुचि जैन	सहायक प्रोफेसर	वाणिज्य
7	श्री संकेत शेखर	सहायक प्रोफेसर	वाणिज्य
8	डॉ. रुचि शर्मा	सहायक प्रोफेसर	वाणिज्य
9	डॉ. रंजन कुमार	सह-प्राध्यापक	कंप्यूटर विज्ञान
10	डॉ. प्रीति जगवानी	सहायक प्रोफेसर	कंप्यूटर विज्ञान
11	डॉ. सोनल लिंडा	सहायक प्रोफेसर	कंप्यूटर विज्ञान
12	सुश्री मोना अदलाखा	सहायक प्रोफेसर	कंप्यूटर विज्ञान
13	सुश्री नेहा कुमारी	सहायक प्रोफेसर	कंप्यूटर विज्ञान
14	श्री राज कुमार शर्मा	सहायक प्रोफेसर	कंप्यूटर विज्ञान
15	डॉ. दीपक शर्मा	सहायक प्रोफेसर	कंप्यूटर विज्ञान
16	श्री राजीव कुमार राय	सहायक प्रोफेसर	कंप्यूटर विज्ञान
17	श्री हरीश धवन	सह-प्राध्यापक	अर्थशास्त्र
18	डॉ. कार्तिकेय कोहली	सह-प्राध्यापक	अर्थशास्त्र
19	प्रो. सुरजीत देब	प्रोफ़ेसर	अर्थशास्त्र
20	डॉ. एस.एल. चक्रवर्ती	सह-प्राध्यापक	अर्थशास्त्र
21	डॉ. गुरशरन रस्तोगी	सह-प्राध्यापक	अर्थशास्त्र
22	डॉ. दीपिका गोयल	सह-प्राध्यापक	अर्थशास्त्र
23	डॉ. एन.एम. सिंह	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र

24	डॉ. आस्था आहूजा	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र
25	डॉ. आर.के. द्विवेदी	सह-प्राध्यापक	अंग्रेजी
26	प्रो. बी. मंगलम	प्रोफ़ेसर	अंग्रेजी
27	डॉ. गीता बुधराजा	सह-प्राध्यापक	अंग्रेजी
28	सुश्री प्रीति एम.गचे	सहायक प्रोफेसर	अंग्रेजी
29	डॉ. कामायनी कुमार	सहायक प्रोफेसर	अंग्रेजी
30	श्री बिनॉय भूषण अग्रवाल	सहायक प्रोफेसर	अंग्रेजी
31	सुश्री रोशनी	सहायक प्रोफेसर	अंग्रेजी
32	सुश्री अलका लखेरा	सहायक प्रोफेसर	अंग्रेजी
33	डॉ. राजेंद्र दयाल	सह-प्राध्यापक	राजनीति शास्त्र
34	डॉ. त्रिपुरारी शरण	सह-प्राध्यापक	राजनीति शास्त्र
35	डॉ. सतीश कुमार झा	सह-प्राध्यापक	राजनीति शास्त्र
36	डॉ. राजीव कुमार रंजन	सहायक प्रोफेसर	राजनीति शास्त्र
37	डॉ. शिव पूजन प्रसाद पाठक	सहायक प्रोफेसर	राजनीति शास्त्र
38	श्री देवकी नंदन	सहायक प्रोफेसर	राजनीति शास्त्र
39	डॉ. रश्मि राय	सहायक प्रोफेसर	राजनीति शास्त्र
40	श्री आनंद सौरभ	सहायक प्रोफेसर	राजनीति शास्त्र
41	डॉ. तुंगनाथ मौर	सहायक प्रोफेसर	राजनीति शास्त्र
42	डॉ. कैलाश प्रकाश सिंह	सह-प्राध्यापक	हिंदी
43	डॉ. देव प्रकाश मिश्रा	सह-प्राध्यापक	हिंदी
44	डॉ. बलराज सिंह	सह-प्राध्यापक	हिंदी
45	डॉ. एस.बी.एन. तिवारी	सह-प्राध्यापक	हिंदी
46	डॉ. प्रोमिला	सहायक प्रोफेसर	हिंदी
47	डॉ. धीरेंद्र बहादुर सिंह	सहायक प्रोफेसर	हिंदी

48	डॉ. नीतू जय सिंघानी	सहायक प्रोफेसर	हिंदी
49	डॉ. बिरेंद्र कुमार	सहायक प्रोफेसर	हिंदी
50	डॉ. रश्मि त्यागी	सहायक प्रोफेसर	हिंदी
51	डॉ. राजेश कुमार	सह-प्राध्यापक	इतिहास
52	डॉ. रीना रागी	सहायक प्रोफेसर	इतिहास
53	डॉ. पवन कुमार	सहायक प्रोफेसर	इतिहास
54	डॉ. कृष्ण मुरारी	सहायक प्रोफेसर	इतिहास
55	डॉ. संगीता कुमारी	सहायक प्रोफेसर	इतिहास
56	डॉ. सचिन कुमार	सहायक प्रोफेसर	इतिहास
57	सुश्री नमिता सिंह	सहायक प्रोफेसर	इतिहास
58	प्रो. नरेंद्र कुमार	प्रोफ़ेसर	गणित
59	डॉ. नवीन कुमार जैन	सहायक प्रोफेसर	गणित
60	डॉ. योगेंद्र सिंह	सहायक प्रोफेसर	गणित
61	सुश्री आकांशा सिंह	सहायक प्रोफेसर	गणित
62	श्री गुफ्रान मलिक	सहायक प्रोफेसर	गणित
63	डॉ. चंद्रशेखर निशाद	सहायक प्रोफेसर	गणित
64	श्री धीरज सिंह	सहायक प्रोफेसर	गणित
65	डॉ. सुनील गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	मनोविज्ञान
66	डॉ. हैली सिंह थोकचोम	सहायक प्रोफेसर	मनोविज्ञान
67	सुश्री सोशोमी मकंग	सहायक प्रोफेसर	मनोविज्ञान
68	डॉ. अंकित प्रकाश	सहायक प्रोफेसर	मनोविज्ञान
69	डॉ. नीरा	सहायक प्रोफेसर	मनोविज्ञान
70	डॉ. थंगबियाकचिंग	सहायक प्रोफेसर	मनोविज्ञान
71	सुश्री वर्षा सिंह	सहायक प्रोफेसर	मनोविज्ञान

72	डॉ. अनीशा जुनेजा	सहायक प्रोफेसर	मनोविज्ञान
73	सुश्री चेरी उप्पल	सहायक प्रोफेसर	प्रबंधन अध्ययन
74	सुश्री काविता	सहायक प्रोफेसर	प्रबंधन अध्ययन
75	डॉ. शिप्रा अग्रवाल	सहायक प्रोफेसर	प्रबंधन अध्ययन
76	डॉ. तृप्ति	सहायक प्रोफेसर	प्रबंधन अध्ययन
77	सुश्री श्रुति वत्स	सहायक प्रोफेसर	व्यवसाय अर्थशास्त्र
78	डॉ. शिवानी रहेजा	सहायक प्रोफेसर	व्यवसाय अर्थशास्त्र
79	डॉ. प्रितिका दुआ	सहायक प्रोफेसर	व्यवसाय अर्थशास्त्र
80	सुश्री गायत्री यादव	सहायक प्रोफेसर	व्यवसाय अर्थशास्त्र
81	डॉ. प्रभु दयाल सैनी	सहायक प्रोफेसर	व्यवसाय अर्थशास्त्र
82	श्री चंदन भारती मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	पर्यावरण विज्ञान
83	डॉ. राम कृष्णा	सहायक प्रोफेसर	पर्यावरण विज्ञान
84	डॉ. अनुज कुमार	सहायक प्रोफेसर	शारीरिक शिक्षा निदेशक

प्रशासनिक कर्मचारी, लेखा कर्मचारी और पुस्तकालय कर्मचारी

	प्रशासनिक विभाग	
क्र.सं	नाम	पद
1	श्रीमती अंजू अग्रवाल	प्रशासनिक अधिकारी
2	श्री सुनील सिंह लिंगवाल	अनुभाग अधिकारी
3	श्री सौरभ गर्ग	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
4	श्री लोकेश	वरिष्ठ सहायक
5	श्री किशोर कुमार	बिजली मिस्त्री
6	श्री पंकज कुमार	सहायक
7	श्रीमती मोनिका आहूजा	सहायक
8	श्री अरविंद क्रेयला	सहायक
9	श्री आशु कुमार	सहायक
10	सुश्री आरती रानी	कनिष्ठ सहायक
11	श्री राम शंकर पंडित	कनिष्ठ सहायक
12	श्री अनिल कुमार झा	कनिष्ठ सहायक
13	श्री दिनेश कुमार	कार्यालय परिचारक
14	श्री परमानंद	कार्यालय परिचारक
15	श्री जय राम	कार्यालय परिचारक
16	श्री विनय कुमार	कंप्यूटर लैब अटेंडेंट

	लेखा विभाग	
	नाम	**पद**
1	श्री गणेश चंद्र दास	अनुभाग अधिकारी
2	श्रीमती अनुप्रिया	वरिष्ठ सहायक
3	सुश्री सुबाला गौतम	सहायक
4	श्री हरजीत सिंह	सहायक

	पुस्तकालय विभाग	
	नाम	**पद**
1	डॉ. धरम कुमार	पुस्तकालय अध्यक्ष
2	श्रीमती निर्मला बोएला	व्यावसायिक सहायक
3	सुश्री रितू राणा	अर्ध व्यावसायिक सहायक
4	श्री पुरुषोत्तम	अर्ध व्यावसायिक सहायक
5	श्री रवि कुमार मुदगल	अर्ध व्यावसायिक सहायक
6	श्री मोहम्मद अदनान सिद्दीकी	पुस्तकालय सहायक
7	श्री संतोष बिश्ट	पुस्तकालय परिचारक
8	श्री बेड राम देवकोटा	पुस्तकालय परिचारक
9	श्री मनोज कुमार	पुस्तकालय परिचारक
10	श्री राजीव	पुस्तकालय परिचारक
11	श्री जितेंद्र कुमार	पुस्तकालय परिचारक
12	श्री संजय कुमार	पुस्तकालय परिचारक
13	श्रीमती सबिता कुमारी	पुस्तकालय परिचारक
14	श्री निरंजन कुमार	पुस्तकालय परिचारक

सीट मैट्रिक्स, सत्र 2023-24

क्र.सं	पाठ्यक्रम	यूआर	एससी	एसटी	ओबीसी	इडब्ल्यूएस	खेल /इसीए		पीडब्ल्यूडी	विदेश छात्र	के.एम	सी.डब्ल्यू.	कुल	पीएमएसए सएस
			15%	7.50%	27%	10%	2.5+2.5=5%		5%	10%	5%	5%		
1	कला-स्नातक (प्रोग्राम) अर्थशास्त्र + गणित	21	8	4	14	5	2	2	3	5	3	3	**52**	
2	कला-स्नातक (प्रोग्राम) अंग्रेजी + मनोविज्ञान	21	8	4	14	5	2	2	3	5	3	3	**52**	
3	कला-स्नातक (प्रोग्राम) इतिहास + राजनीति विज्ञान	21	8	4	14	5	2	2	3	5	3	3	**52**	2
4	वाणिज्य-स्नातक	21	8	4	14	5	2	2	3	5	3	3	**52**	2
5	वाणिज्य-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम)	21	8	4	14	5	2	2	3	5	3	3	**52**	
6	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) अर्थशास्त्र	21	8	4	14	5	2	2	3	5	3	3	**52**	
7	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) अंग्रेजी	21	8	4	14	5	2	2	3	5	3	3	**52**	
8	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) हिंदी	21	8	4	14	5	2	2	3	5	3	3	**52**	
9	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) इतिहास	42	16	8	28	10	2	2	5	10	5	5	**104**	2
10	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) राजनीति शास्त्र	42	16	8	28	10	2	2	5	10	5	5	**104**	2
11	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) मनोविज्ञान	21	8	4	14	5	2	1	3	5	3	3	**52**	
12	विज्ञान-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) कंप्यूटर विज्ञान	21	8	4	14	5	2	1	3	5	3	3	**52**	2
13	विज्ञान-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) गणित	21	8	4	14	5	2	1	3	5	3	3	**52**	
14	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) व्यवसाय अर्थशास्त्र	42	16	8	28	10	1	1	5	10	5	5	**104**	
15	प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस)	42	16	8	28	10	1	1	5	10	5	5	**104**	
	कुल जोड़	**399**	**152**	**76**	**266**	**95**	**28**	**25**	**53**	**95**	**53**	**53**	**988**	

ईसीए कोटा सीट मैट्रिक्स, सत्र 2023-24

श्रेणी क्रमांक	श्रेणी	उप श्रेणी क्र. नहीं. (यदि लागू हो)	उप-श्रेणी (यदि लागू हो)	प्रस्तावित सीटों की संख्या
1.	रचनात्मक लेखन	1क	रचनात्मक लेखन (हिंदी)	1
		1ख	रचनात्मक लेखन (अंग्रेजी)	1
2.	नृत्य	2क	भारतीय शास्त्रीय	1
		2ख	भारतीय लोक	1
		2ग	वेस्टर्न	1
3.	तर्क-वितर्क	3क	तर्क-वितर्क (हिंदी)	2
		3ख	तर्क-वितर्क(अंग्रेजी)	2
4.	डिजीटल मीडिया	4क	फोटोग्राफी	1
5.	ललित कला	5क	रेखाचित्रण और चित्रकारी	1
6.	संगीत (गायन)	6क	संगीत (गायन) भारतीय	1
		6ख	संगीत (गायन) वेस्टर्न	1
7.	संगीत उपकरण अल: भारतीय)	7क	हारमोनियम	1
		7ख	भारतीय बांसुरी	1
8.	संगीत उपकरण अल: वेस्टर्न)	8क	ड्रम	1
		8ख	कुंजीपटल	1
9.	थियेटर	--	थिएटर	4
13.	एन एस एस	--	एन एस एस	4
प्रस्तावित ई सी ए सीटों की कुल संख्या				25
ईसीए को दी जाने वाली सीटों का प्रतिशत (कुल प्रवेश का 1% से 4% के बीच)				2.5%

प्रथम वर्ष का शुल्क विवरण, सत्र 2023-24

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	शुल्क
1	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) व्यवसाय अर्थशास्त्र	32330
2	विज्ञान-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) कंप्यूटर विज्ञान	36030
3	कला-स्नातक (प्रोग्राम)	18030
4	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) अर्थशास्त्र	18330
5	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) अंग्रेजी	18030
6	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) हिंदी	18030
7	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) इतिहास	18030
8	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) राजनीति शास्त्र	18030
9	विज्ञान-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) गणित	21030
10	कला-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम) मनोविज्ञान	21330
11	वाणिज्य-स्नातक	18330
12	वाणिज्य-स्नातक (विज्ञ पाठ्यक्रम)	18330
13	प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस)	32330
14	सभी पाठ्यक्रम पीडब्ल्यूडी	1205
नोट: विदेशी छात्र शुल्क अतिरिक्त: 18000/- रुपये		

ARYABHATTA COLLEGE
NATIONAL SEMINAR
VISHWA GURU BHARAT
Use of Indian Knowledge in Developing
Interventions and Innovations for Contemporary
World

ARYABHATTA COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI

YOUTH PEACE CONCLAVE
ON THE THEME
Youth for Building a World of Peace
9th November 2022
Auditorium
India International Centre, New Delhi
International Association of Youth and Students for Peace India &
Universal Peace Federation of India

ARYABHATTA COLLEGE
University of Delhi
Accredited with NAAC A+ Grade in 1st Cycle
PRESENTS
संवाद
(Dialogue with Students)
9th June,2023 | Time :- 1:00 Pm
CHIEF GUEST

आर्यभट्ट महाविद्यालय
PRESENTS
संवाद

आर्यभट्ट महाविद्यालय

enactus
SHANTI HOME

ARYABHATTA COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
Accredited A+ by NAAC
presents
THE ANNUAL

ARYABHATTA COLLEGE